(मराठी प्रेस विज्ञप्ति का हिंदी अनुवाद)

महाराष्ट्र राज्य वीज कर्मचारी, अभियंते, अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति
(महाराष्ट्र राज्य विद्युत कर्मचारी, इंजीनियर, अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति),
और
महाराष्ट्र राज्य वीज कांत्रती कामगार संगठन कृति समिति (महाराष्ट्र राज्य विद्युत संविदा श्रमिक संघ कार्य समिति) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 27.03.2021

माननीय ऊर्जा मंत्री ने ट्रेड यूनियनों के साथ हड़ताल पर चर्चा की। लिखित समझौता होने तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया गया।

महाराष्ट्र राज्य वीज कर्मचारी, अभियंते, अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति *(महाराष्ट्र राज्य विद्युत कर्मचारी, इंजीनियर, अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति)* और महाराष्ट्र राज्य वीज कंत्राटी कामगार संगठन कृति समिति *(महाराष्ट्र राज्य विद्युत अनुबंध कामगार संगठन कृति समिति)* द्वारा 2 महीने से चल रहा आंदोलन आखिरकार दो दिवसीय आंदोलन में बदल गया। बिजली कर्मचारियों पर रचनात्मक प्रभाव डालने वाली सभी 39 यूनियनें हड़ताल में शामिल हुईं और महाराष्ट्र में बिजली उत्पादन बंद होने लगा। स्थिति ऐसी थी कि राज्य में अंधेरा छा जाएगा। इसलिए माननीय ऊर्जा मंत्री के पास आज वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था और सभी संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ उन्होंने चर्चा की। उन्होंने देर से चर्चा के लिए माफी मांगी और अनुरोध किया कि हड़ताल वापस ले ली जाए।

इस संबंध में संघ के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से घोषणा की कि निजीकरण न करने के लिए एक लिखित समझौता होना चाहिए, जल विद्युत संयंत्रों का निजीकरण नहीं किया जाना चाहिए, और केंद्र सरकार के संशोधित

विद्युत अधिनियम 2021 का विरोध किया जाना चाहिए। तीनों कंपनियों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। एकतरफा तय की गई तबादला नीति को रद्द किया जाए और मजदूर संगठनों से चर्चा कर नई तबादला नीति तय की जाए। ठेका श्रमिकों को कम से कम 60 वर्षों के लिए नौकरी में संरक्षित किया जाना चाहिए। इन मांगों पर कल चर्चा की जानी चाहिए और एक लिखित समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। यह मांग मजदूर संघों ने ऊर्जा मंत्री के साथ बैठक में की। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मुंबई में 29 मार्च को फिर से मांग पर चर्चा की जाएगी; तद्नुसार माननीय ऊर्जा मंत्री के साथ बैठक कर हड़ताल एवं आगे आंदोलन के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

हड़ताल फिलहाल जारी रहेगा। संयुक्त संघर्ष समिति और एक्शन कमेटी के बीच आधिकारिक समझौता होने तक मजदूर संगठनों ने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। कर्मचारियों से अपील की जाती है कि वे अफवाहों के झांसे में न आएं। प्रदेश भर में शांतिपूर्ण व अनुशासित तरीके से हड़ताल चल रही है और हड़ताली संगठन सुनिश्चित कर रहे हैं कि बिजली उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो |

सादर

महाराष्ट्र राज्य वीज कर्मचारी, अभियंते, अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति, और
महाराष्ट्र राज्य वीज कांत्रती कामगार संगठन कृति समिति